जब मुझको साँप ने काटा

कहानी की बात

- **नाना मुझे झाड़ फूँक वाले आदमी के पास क्यों ले गए?**

उत्तर नाना मुझे झाड़-फूँक वाले आदमी के पास इसलिए ले गए क्योंकि उन्होंने समझ लिया कि मुझे साँप ने काट खाया है। उस आदमी के झाड़-फूँक से मेरे शरीर के अंदर साँप के जहर का असर नहीं होता।

- **मैं बूढ़े आदमी को क्या बताना चाहता था?**

उत्तर यही कि मुझे साँप ने नहीं काटा है बल्कि बर्र ने काटा है।

- **जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तब मैंने क्या किया था? मैंने ऐसा क्यों किया होगा।**

उत्तर तब मैंने पत्थर के टुकड़े से खोल का मुँह बंद कर दिया था। मैंने ऐसा इसलिए किया होगा ताकि साँप खोल के अंदर कैद हो जाए।

- **क्या बूढ़े आदमी ने सचमुच मेरा इलाज कर दिया था? तुम ऐसा क्यों सोचते हो?**

उत्तर बूढ़े आदमी ने मेरा इलाज नहीं किया था। दरअसल मुझे साँप ने नहीं काटा था बल्कि बर्र ने काटा था। उसके काटने से मुझे दर्द तो तेज हुआ लेकिन कुछ देर के बाद खत्म भी हो गया।

- **मुझे असल में साँप ने नहीं काटा था। फिर मैंने अपनी कहानी का नाम जब मुझको साँप ने काटा क्यों रखा है? तुम इससे भी अच्छा कोई नाम सोचकर बताओ।**

उत्तर क्योंकि सबको यही मालूम था कि मुझे साँप ने काटा है। मुझे झाड़-फूँक करने वाले के पास ले जाया गया। वह झाड़-फूँक कर ही रहा था कि मेरी ऊँगली का दर्द खत्म हो गया। उबने सोचा झाड़-फूँक के कारण ऐसा हुआ है।

कहानी का दूसरा शीर्षक

झाड़-फूँक करने वाले बाबा

उई माँ

कहानी में लड़के को बर्र काट लेती है। बर्र का डंक होता है। कुछ और कीड़ों (जंतुओं) का नाम लिखो जो डंक मारते हैं।

उत्तर बिच्छू मधुमक्खी ततैया

तुम्हारी बात

- .मैं बूढ़े को कुछ बताना चाहता था पर बता नहीं सका। क्या तुम्हारे साथ भी कभी ऐसा हुआ है?

उत्तर हाँ, कई बार ऐसा हुआ है जब मैं अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहता था लेकिन मुझे बोलने की सख्त मनाही होती थी।

- क्या तुमने कभी साँप देखा है? तुमने साँप कहाँ देखा? उसे देखकर तुम्हें कैसा लगा?

उत्तर मैंने सिर्फ एक बार साँप देखा है वह भी अपने घर के दरवाजे के पास। उसे देखते ही मेरे होश उड़ गए।

- अपने घर पर पूछो कि अगर किसी को साँप काट ले तो वे क्या करेंगे?

उत्तर पूछकर लिखो।

अब क्या करें

- तुम क्या करोगी अगर तुम्हें या तुम्हारे आसपास :
  - ➢ किसी को बर्र काट ले?
  - ➢ किसी को चोट लग जाए?
  - ➢ किसी की आँख में कुछ पड़ जाए?
  - ➢ किसी की नाक से खून बहने लगे?

  कक्षा में इन पर बातचीत करो। हो सके तो किसी नर्स या डॉक्टर को कक्षा में आमंत्रित कर बात करो।

उत्तर
- ➢ हम लोहे की किसी चीज से उस भाग को रगड़ देंगे जहाँ बर्र ने काटा है।
- ➢ हम उसकी प्राथमिक चिकित्सा करेंगे। चोट लगे भाग को डिटॉल वाले पानी से धोकर उस पर मलहम लगा देंगे। जरूरत के मुताबिक उस पर पट्टी भी बाँध देंगे।
- ➢ आँख में साफ पानी के छींटे मारेंगे।
- ➢ उसे पीठ के बल इस तरह लेटा देंगे कि उसका सिर नीचे की ओर झुका रहे। नाक को गीले कपड़े से ढँक देंगे।

ज़रा सोचो तो

- नारियल के खोल जैसी और कौन-सी चीज़ों में साँप छिप सकता था?

उत्तर कबाड़-घर में।

- वह खोल अहाते में कैसे पहुँचा होगा?

उत्तर उस घर के लोगों ने नारियल खाया होगा और खोल को अहाते में फेंक दिया होगा।

घर के हिस्से

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उन शब्दों में से कुछ शब्द घर से संबंधित हैं—उन पर घेरा लगाओ।

अहाता	आँगन	बरामदा	ज़ीना	अटारी
आला	घेर	सीढ़ी	छत	सड़क
रसोई	छज्जा	दालान	अस्तबल	रहट
नहर	पुलिया	जोहड़	डाकघर	टाँड
	कमरा	मुँडेर		

उत्तर घर से संबंधित शब्द—
अहाता, आँगन, बरामदा, जीना, अटारी, आला, सीढ़ी, छत, रसोई, छज्जा, दालान, टाँड, कमरा, मुँडेर।

क्या समझे!

नीचे लिखे वाक्यों का मतलब बताओ—

- साँप पास की झाड़ी में गायब हो गया।
  साँप पास की झाड़ी में छिप गया।
- वह चट मुझे गोद में उठाकर भागे।
  वह तुरंत मुझे गोद में उठाकर भागे।
- अब बच्चा खतरे से बाहर है।
  अब बच्चे को कोई खतरा नहीं है।
- नाना ने उसके लिये बहुत-सी चीज़ें भेंट में भेजीं।
  नाना ने उसे बहुत-सी चीजें दीं।

कैसे कहा

- अलग-अलग निशानों से पता चलता है कि बात कैसे कही गई होगी। अब नीचे लिखे वाक्यों में सही निशान लगाओ। अब इन्हें बोलकर देखो। ① ! ?

उत्तर
- ➢ नानी चीख उठी साँप!
- ➢ साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था।
- ➢ क्या तुम बाज़ार चलोगी?
- ➢ चुपचाप बैठो। हिलना-डुलना मत।
- ➢ तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?
- ➢ अहा! कितनी मीठी है।

क्या कहोगे

तुम लड़के को क्या कहोगे? कारण देकर बताओ।
निडर, नादान, होशियार, शरारती, डरपोक, शर्मीला (याद रखो वह खोल में साँप लेकर भागा था।)

उत्तर नादान। क्योंकि वह नहीं जानता था कि साँप खतरनाक होता है।

दो-दो बार

साँप <u>धीरे-धीरे</u> रेंग रहा था।

यहाँ **धीरे** शब्द का दो बार इस्तेमाल किया गया है। ऐसे ही और कुछ शब्द लिखो और उनसे वाक्य बनाओ।

उत्तर चलते-चलते	<u>चलते-चलते</u> मैं रुक गया।
पीछे-पीछे	मैं दादी जी के <u>पीछे-पीछे</u> हो लिया।
भागते-भागते	चोर <u>भागते-भागते</u> पकड़ा गया।
रुकते-रुकते	बूढ़ा व्यक्ति <u>रुकते-रुकते</u> चल रहा था।
कहते-कहते	मजेदार बात <u>कहते-कहते</u> वह हँस पड़ा।